नवम्

सिद्धिदात्री

वासंतिक नवरात्र की नौवें दिन भगवती दुर्गा के नवम् स्वरूप सिद्धिदात्री के दर्शन-पूजन की मान्यता है। देवी की कृपा प्राप्ति के लिए 'सिद्ध गंधर्व यक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि, सेव्यमाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी' मंत्र का जाप करने का विधान है। 'श्री' वृद्धि के लिए यह बीज मंत्र माना जाता है, इसलिए इसे श्रीमंत्र भी कहते हैं। जैसा इनका नाम वैसा ही इनका गुण और संदेश है। इनकी आराधना से साधक कभी निर्धन नहीं रहता, लेकिन इसके लिए कर्म महत्वपूर्ण है। इससे हर सिद्धि प्राप्त की जा सकती है। सिद्धिदात्री महात्रिपुर सुंदरी रूप में विद्यमान हैं।

गौरी दर्शन यात्रा : गौरी दर्शन यात्रा के क्रम में नौवें दिन महालक्ष्मी गौरी के दर्शन- पूजन का विधान है।

आज का संदेश : देवी का स्वरूप संदेश देता है कि श्रेष्ठ कर्मों से कुछ भी असंभव नहीं है।

-पं. ऋषि द्विवेदी

होम क्वारंटाइन में भेजे गए 25 हजार लोग

सख्त रुख ▶ मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, मोबाइल से लोकेशन पर रखेंगे नजर

बुधवार सुबह तक आए 120 केस, स्थिति नियंत्रण में

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को डिजिटल पत्रकार वार्ता कर बताया कि बुधवार सुबह तक दिल्ली में कोरोना वायरस के कुल 120 केस आए हैं। कोरोना संक्रमण की वजह से कुल 776 लोग दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से 112 पॉजिटिव हैं, बाकी संक्रमित हो सकते हैं और उनका टेस्ट किया गया है। हालांकि स्थिति नियंत्रण में है। केजरीवाल ने कहा कि निजामुद्दीन मरकज से बाहर लाए गए 536 कोरोना संदिग्धों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 1810 लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है। कुल 2346 लोगों को मरकज से बाहर लाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली में ऐसे 25 हजार से ज्यादा लोगों पर उनके मोबाइल लोकेशन के जरिये हर वक्त नजर रखी जा रही है। इससे पता चलेगा कि संबंधित व्यक्ति क्वारंटाइन के निर्देशों का पालन कर रहा है या नहीं।

केजरीवाल ने कहा कि कोरोना वायरस का फैलाव रोकने के लिए सभी संदिग्धों को सेल्फ आइसोलेशन या क्वारंटाइन में भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगापुर जैसे देशों में तकनीक के जरिये संदिग्धों की निगरानी की गई। इसके लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया गया। अब हम भी पुलिस की मदद लेकर मोबाइल के जरिये उन लोगों को ट्रेस करेंगे, जिन्हें घर में आइसोलेशन/ क्वारंटाइन में रहने के लिए कहा गया था। केजरीवाल ने बताया कि मंगलवार को 11,084 लोगों के मोबाइल नंबर दिल्ली पुलिस को दिए थे। बुधवार को 14,345 फोन नंबर और दिए गए।

उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस की वजह से कुल 766 लोग दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से 112 पॉजिटिव केस हैं। बाकी संदिग्ध हैं। 112 मरीजों में से सिर्फ एक वेंटिलेटर पर है। दो ऑक्सीजन पर हैं और 109 की हालत स्थिर है यानी दिल्ली में तीन मरीजों की स्थिति को गंभीर कहा जा सकता है। दिल्ली के कुल 120 मरीजों में से 112 अभी अस्पताल में हैं। पांच को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। दो लोगों की मौत हो चुकी है और एक व्यक्ति शुरू में ही सिंगापुर चला गया था।

केजरीवाल ने बताया कि निर्माण क्षेत्र से जुड़े मजदूरों के खाते में पैसा जाना शुरू हो चुका है। करीब 35 हजार मजदूरों के खाते में पांच-पांच हजार रुपये डाले जा चुके हैं। कंपनियां सैलरी के बारे में कह रही हैं कि जब दफ्तर खुलेंगे और सैलरी का हिसाब होगा, तभी तो इसे दिया जाएगा। इसलिए कंपनियों के प्रतिनिधियों को दो दिनों के लिए पास देने का फैसला हुआ है। इस दौरान ये दफ्तर जाएंगे और सैलरी के लिए जरूरी कागजी औपचारिकता पूरा करेंगे। कंपनियों के मालिकों से कहा गया है कि किसी की सैलरी न काटें। शेष नौ हजार निर्माण मजदूरों के खाते में भी रकम जल्द भेज दी जाएगी। केजरीवाल ने कहा कि राशन कार्ड धारकों को साढ़े सात किलो राशन बांटने का काम शुरू हो चुका है। जिनका राशन कार्ड नहीं है, उन्हें भी हम राशन देंगे। ऐसे लोगों की तादाद 10 लाख के करीब हो सकती है। दिक्कत यह है कि बिना राशन कार्ड वालों को राशन कैसे देंगे? कोई दो या तीन बार तो नहीं लेगा? ऐसे कई सवाल थे। इसका एक रास्ता निकाला गया है। ऐसे लोग दिल्ली सरकार की वेबसाइट पर जाकर राशन कार्ड के लिए आवेदन कर दें, इससे राशन कार्ड मिलेगा ही, नहीं कह सकते, लेकिन इस दौरान राशन जरूर मिलेगा।

डॉक्टर, पैरा मेडिकल स्टाफ की गई जान तो देंगे 1-1 करोड़

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा, कोरोना का इलाज कर रहे डॉक्टर और पैरा मेडिकल स्टाफ भी आज सैनिकों की तरह देश सेवा कर रहे हैं। ऐसे में अगर कोरोना मरीजों का इलाज कर रहे किसी डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी या चिकित्साकर्मी की मौत होती है तो दिल्ली सरकार उसके परिवार को भी एक-एक करोड़ की सम्मान राशि देगी। केजरीवाल ने कहा, उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये डॉक्टरों, नर्सों और सैनिटरी कर्मचारियों के साथ बातचीत की। सभी की ओर से उन्हें धन्यवाद दिया गया। वे हमारे लिए अपने जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। भगवान न करे, अगर उनके साथ कुछ भी होता है तो उनके परिवार को अनुग्रह राशि के रूप में एक करोड़ रुपये दिए जाएंगे। केजरीवाल ने यह भी बताया कि हमने दैनिक आधार पर फाइव स्टार होटलों से डॉक्टरों व चिकित्सा कर्मचारियों के लिए भोजन की व्यवस्था की है, जो लोग घर लौटने में असमर्थ हैं, उनके लिए फाइव स्टार होटलों में ही ठहरने के लिए कमरों की व्यवस्था भी की गई है।

सरकारी अस्पताल के तीन डॉक्टर कोरोना की चपेट में

- दो सफदरजंग और एक आंबेडकर अस्पताल में हैं भर्ती
- दिल्ली में अब तक छह डॉक्टर हुए कोरोना से पीड़ित

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना का संक्रमण बढ़ता जा रहा है। इसकी चपेट में सरकारी अस्पतालों के तीन रेजिडेंट डॉक्टर भी आ गए हैं। इनमें से दो डॉक्टर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती हैं। दोनों पति-पत्नी हैं। इनके अलावा एक डॉक्टर को इलाज के लिए आंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह दिलशाद गार्डन स्थित दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान में डॉक्टर हैं। इनकी जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वह प्रिवेंटिव आंकोलॉजी विभाग में कार्यरत हैं। 23 मार्च को उन्होंने ओपीडी में मरीजों को भी देखा था। इसके अलावा 22 को उनकी वार्ड में ड्यूटी थी।

जहां कैंसर के कई मरीज भर्ती हैं। उन मरीजों को उन्होंने देखा भी था। उन्हें कोरोना का संक्रमण होने के बाद अस्पताल में ओपीडी सेवा बंद कर दी गई है। इसके अलावा वार्ड से मरीजों को भी हटाने की तैयारी है ताकि अस्पताल को सैनिटाइज किया जा सके।

पत्नी व दो माह का बच्चा भी भर्ती

कोरोना से पीड़ित दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान के डॉक्टर की पत्नी और उनका दो माह का बच्चा भी भर्ती है। पत्नी व बच्चे को भी बुखार है। उन्हें संक्रमण कैसे हुआ यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेकिन बताया जा रहा है कि उनके बड़े भाई और भाभी इंग्लैंड से लौट कर आए हैं, लेकिन उन्हें यहां आए हुए एक माह से अधिक समय हो गया।

ऐसे में अंदेशा है कि किसी दूसरे के संपर्क में आने से उन्हें संक्रमण हुआ है। पीड़ित डॉक्टर के संपर्क में आए सभी कर्मचारियों व मरीजों को क्वारंटाइन करने का निर्देश दिया गया है।

वहीं, सरदार पटेल अस्पताल में कार्यरत एक रेजिडेंट डॉक्टर को भी कोरोना होने की पुष्टि हुई है। मंगलवार को उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। उनकी पत्नी सफदरजंग अस्पताल में कार्यरत हैं। वह भी कोरोना से पीड़ित हैं। इन दोनों का इलाज सफदरजंग अस्पताल में चल रहा है। वे हाल ही में दुबई से लौट कर आए हैं। इससे पहले मोहल्ला क्लीनिक के दो डॉक्टर भी संक्रमित हैं। इसके अलावा मौजपुर में एक निजी डॉक्टर भी पीड़ित हैं। इस तरह अब तक छह डॉक्टर कोरोना से पीड़ित हो चुके हैं।

न्यूज गैलरी

दानिक्स अफसरों ने राहत कोष में दिया तीन दिन का वेतन

नई दिल्ली: कोरोना से निपटने के लिए दानिक्स अफसर भी आगे आए हैं। अफसरों ने कोरोना से लड़ने के लिए अपने तीन दिन का वेतन उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री राहत कोष में दान किया है। दानिक्स ऑफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह परिहार ने इस बारे में दिल्ली सरकार के पे एंड एकाउंट विभाग को पत्र लिखकर मार्च माह के वेतन से तीन दिन का वेतन काट कर उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री राहत कोष में भेजने के लिए कहा है। (जासं)

जरूरतमंदों के लिए कांग्रेस ने किया टास्क फोर्स का गठन

नई दिल्ली : लॉकडाउन के दौरान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अनिल चौधरी ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी के आदेश पर दिल्ली में जरूरतमंदों की मदद के लिए 21 सदस्यों की टास्क फोर्स का गठन किया है। पूर्व मंत्री किरण वालिया को इस टास्क फोर्स का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि पूर्व मंत्री नरेंद्र नाथ को संयोजक नियुक्त किया गया है। हारून युसूफ व अभिषेक दत्त को सह संयोजक बनाया गया है। इनके अलावा टीम में मुदित अग्रवाल, शिवानी चोपड़ा, मुकेश गोयल, तरुण कुमार, अमृता धवन आदि को भी शामिल किया गया है। (जासं)

संदीप बने वित्त सचिव, गीतांजलि की जगह संजीव की तैनाती

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

आनंद विहार में भीड़ जुटने के मामले में हटाए गए वित्त सचिव की जगह वरिष्ठ आइएएस संदीप कुमार की तैनाती की गई है। संजीव खैरवार को मंडलायुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आनंद विहार मामले की जांच गृह मंत्रालय द्वारा कराई जा रही है। इसमें दिल्ली पुलिस से लेकर परिवहन विभाग तक के अधिकारियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

उपराज्यपाल ने बुधवार को 1997 बैच के आइएएस संदीप कुमार को वित्त सचिव नियुक्त कर दिया। इस पद पर पहले राजीव वर्मा थे, जिन्हें 29 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निलंबित कर दिया था। वर्मा मंडलायुक्त की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। मंडलायुक्त के पद पर मंगलवार को 1996 बैच की आइएएस गीतांजलि गुप्ता की तैनाती की गई थीं, लेकिन बुधवार को जारी नए आदेश में अब यह जिम्मेदारी 1994 बैच के आइएएस संजीव खिरवार को दे दी गई। वहीं उपराज्यपाल के निर्देश पर बुधवार को जारी आदेश में जी नरेंद्र को प्रधान सचिव कोऑपरेशन की जिम्मेदारी दी गई है। वह डीएससीएससी के सीएमडी का कार्यभार संभाल रहे थे। शहरी विकास विभाग के सचिव एच राजेश प्रसाद अब डीएससीएससी के सीएमडी की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इससे पहले मंगलवार को जारी आदेश में शिक्षा विभाग के सचिव की जिम्मेदारी देख रहीं 1995 बैच की आइएएस मनीषा सक्सेना को परिवहन आयुक्त बनाया गया था। इस पद पर कार्यरत रेणु शर्मा को 29 मार्च को निलंबित कर दिया गया था।

परिवहन विभाग के अफसरों के खिलाफ केस दर्ज

जासं, नई दिल्ली : लॉकडाउन के बीच आनंद विहार बस अड्डे पर दूसरे राज्यों में जाने वाले लोगों की भीड़ जुटने के मामले में पुलिस ने परिवहन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हालांकि आरोपितों में किसी का नाम नहीं दिया गया है। आरोप है कि विभाग के अधिकारियों के इशारे पर काफी संख्या में लोग बसों से लाए गए थे। शकरपुर थाने के एसआइ मुकेश की शिकायत पर यह केस दर्ज किया गया है।

सोशल मीडिया के जरिये भाजपा सांसद कर रहे मदद की अपील

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : लॉकडाउन में लोगों की परेशानी कम करने के लिए भाजपा सांसद सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। वे वाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर व अन्य माध्यमों के जरिये जरूरमदों की सहायता के लिए लोगों को आगे आने और पीएम केयर में सहयोग राशि देने की अपील कर रहे हैं।

भाजपा सांसदों ने सोशल मीडिया और वीडियो संदेश के जरिये लोगों से पीएम केयर फंड में 100-100 रुपये जमा करने की अपील की है। वे इसे देश हित में जरूरी बता रहे हैं। सांसदों ने अपने वीडियो संदेश में कहा है कि लोग अधिक से अधिक संख्या में पीएम केयर फंड में पैसे जमा करने के साथ ही अपने आसपास रहने वालों की मदद करें। पार्टी का दावा है कि उसके नेता, सांसद, विधायक व पार्षद अपने स्तर पर लोगों की सहायता कर रहे हैं। इसके साथ ही सेवा भारती के साथ मिलकर भी लोगों तक भोजन व अन्य जरूरी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 8010066066 जारी किया गया है। पार्टी के नेताओं का कहना है सोमवार दोपहर तक इस हेल्पलाइन नंबर पर 17941 कॉल आ चुकी हैं।

संवदेनशील स्थलों को सैनिटाइज करने के लिए फायर ब्रिगेड की मदद लें : एलजी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना वायरस और लॉकडाउन की स्थिति को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते उपराज्यपाल अनिल बैजल (दाएं)। सौ. राजनिवास

उपराज्यपाल अनिल बैजल ने दिल्ली के संवेदनशील सार्वजनिक स्थानों, क्वारंटाइन सेंटरों, अस्पतालों, कोरोना के रोगियों/ संदिग्ध रोगियों के आसपास के स्थानों को सैनिटाइज करने के लिए फायर ब्रिगेड की मदद लेने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सैनिटाइजेशन का यह कार्य जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की निगरानी में किया जाए।

बैजल ने बुधवार सुबह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, मुख्य सचिव, स्वास्थ्य सचिव और अन्य अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के जरिये दिल्ली में कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के हालातों की समीक्षा बैठक की। बैठक में अतिरिक्त गृह सचिव, पुलिस आयुक्त, निदेशक (आइएलबीएस)/अध्यक्ष, एसटीएफ कोविड-19 और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

उपराज्यपाल ने कोविड-19 के मद्देनजर चिकित्सा तैयारियों, चिकित्सा उपकरणों की खरीद, (व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण- पीपीई, वेंटिलेटर, नेबुलाइजर, दवाएं, मास्क, परीक्षण किट आदि) मरीजों/होम क्वारंटाइन संबंधी दिशा-निर्देशों के पालन की भी समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि क्वारंटाइन के बाद अपनाए जाने वाले नियमों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई जाए। उपराज्यपाल ने कोरोना से प्रभावित लोगों के व्यापक संपर्क की पहचान/ट्रैकिंग का भी आदेश दिया। उन्होंने होम क्वारंटाइन के अनुपालन और इसकी निगरानी के लिए टेक्नोलॉजी के उपयोग करने की सलाह दी। साथ ही होम क्वारंटाइन की निगरानी, शारीरिक दूरी का पालन, निराश्रितों के भोजन अथवा आश्रय भी सुनिश्चित करें।

बैजल ने जिला प्रशासन और दिल्ली पुलिस को यह निर्देश भी दिए कि होम शेल्टर/नाइट शेल्टर/खाद्य वितरण केंद्रों एवं इलाके के एटीएम इत्यादि का दौरा कर शारीरिक दूरी के मानदंडों का पालन सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान पुलिस आयुक्त ने बताया कि सड़कों पर घूम रहे अथवा बिना उचित कारण घर से बाहर निकले लोगों को आश्रय घरों तक पहुंचाने के लिए सभी थानों में डीटीसी बसों को तैनात किया गया है।

गुरुद्वारा में फंसे 205 लोग स्कूल में किए गए क्वारंटाइन

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

गुरुद्वारा मजनूं का टीला में फंसे हुए 205 लोगों को बुधवार को वहां से निकालकर नेहरू विहार स्कूल में क्वारंटाइन कर दिया गया है। सभी लोग पंजाब के रहने वाले हैं। पंजाब सरकार ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीपीसी) से संपर्क किया है जिससे इन लोगों को सुरक्षित उनके घर पहुंचाया जा सके। वहीं, दिल्ली के सिख नेताओं ने डीएसजीपीसी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा की आलोचना की है। उनका कहना है कि पिछले दिनों सिरसा ने दिल्ली में फंसे हुए पंजाब के लोगों को बस के जरिये उनके घर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया था। इसके बाद लोग यहां पहुंचे। गुरुद्वारा के जिस हॉल में इन्हें ठहराया गया था, उसे सील कर दिया गया है।

जग आसरा गुरु ओट (जागो) के अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके का कहना है कि लोगों को घर पहुंचाने का काम प्रशासन का है न कि कमेटी का। झूठी शोहरत के लिए लोगों को खतरे में डालना ठीक नहीं है। वहीं, पार्टी के महासचिव परमिंदर पाल सिंह का कहना है कि डीएसजीपीसी ने 28 मार्च को यहां फंसे लोगों को पंजाब भेजने की घोषणा की थी। 29 मार्च को दो बसें रवाना भी हुईं। इसी बीच निजामुद्दीन का मामला सामने आने से कमेटी के अध्यक्ष सोशल मीडिया पर बयान जारी करके इन लोगों को यहां से निकालने की मांग करने लगे। यह संगत के साथ धोखा है।

इस बारे में मनजिंदर सिंह सिरसा का कहना है कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पिछले दिनों दो बसें भेजकर यहां से कुछ लोगों को निकाला था। इस वजह से नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद आदि से चलकर कई लोग यहां पहुंच गए। इनमें से कोई भी व्यक्ति गुरुद्वारा में माथा टेकने नहीं आया था और न ही कोई कमेटी का कर्मचारी या उसका रिश्तेदार है। गुरुद्वारा के डॉक्टर इनकी रोज जांच करते थे। किसी में कोरोना के लक्षण नहीं पाया गया है। प्रशासन के कहने पर इन सभी लोगों को गुरुद्वारा से भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

जेएनयू सुरक्षाकर्मी व छात्र आमने-सामने

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: लॉकडाउन के दौरान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने अपने कैंपस के सभी गेटों को बंद कर रखा है। बुधवार रात विश्वविद्यालय के तापसी छात्रावास में रह रहे एक छात्र और सुरक्षाकर्मी में जेएनयू कैंपस से बाहर जाने को लेकर धक्का-मुक्की हो गई। इस पूरे प्रकरण का वीडियो वामपंथी छात्र संगठन आइसा की कार्यकर्ता मधुरिमा ने छात्रों के वाट्सएप ग्रुप में शेयर किया। मधुरिमा ने आरोप लगाया कि जेएनयू के छात्रावास में सही तरह का खाना नहीं मिल रहा है और व्यवस्था भी खराब है।

उन्होंने कहा कि जेएनयू के स्कूल ऑफ सोशल साइंस से लॉ एंड गवर्नेंस के शोधार्थी प्रणव को विश्वविद्यालय से बाहर जाना था। इस छात्र के पास अपने छात्रावास के वार्डन की अनुमति थी। फिर भी इसे बाहर जाने से रोका गया। छात्र जेएनयू कैंपस में अपने एक मित्र के पास जा रहा था। इसी बीच छात्र के साथ सुरक्षाकर्मी ने मारपीट की। वहीं जेएनयू के सुरक्षाकर्मियों का आरोप है कि आइसा से जुड़े छात्रों और इस छात्र ने बेहद ही असंवेदनशील रवैया अपनाया।

लॉकडाउन के उल्लंघन पर चार हजार लोग हिरासत में

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

लॉकडाउन के दौरान बुधवार को बिना कारण के घर से निकले चार हजार से अधिक लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर 249 एफआइआर दर्ज की गई। दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी एसीपी अनिल मित्तल के मुताबिक लॉकडाउन के बावजूद घरों से बाहर निकलने पर 4053 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इनमें बिना किसी जरूरी काम के घर से निकले 515 लोगों के वाहनों को जब्त कर लिया गया। मंगलवार देर रात से लेकर बुधवार शाम पांच बजे तक दिल्ली पुलिस ने सड़कों पर घूमते लोगों पर कार्रवाई की। लोगों को उनके घरों में रहने की सलाह भी दी जा रही है, लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं हो रहे हैं।

उधर, दिल्ली पुलिस ने आवश्यक सेवा से जुड़े 1022 जरूरतमंद लोगों को मूवमेंट पास जारी किए। पास बनवाने वालों की भीड़ को देखते हुए ऑनलाइन पास भी जारी किए जा रहे हैं। मंगलवार को दिल्ली पुलिस की तरफ से 1254 लोगों को मूवमेंट पास जारी किए गए थे।

कोविड पेट्रोल बाइक से गश्त के लिए जाते दिल्ली पुलिस के जवान। एएफपी

40 कोविड पेट्रोल बाइक से लोगों को जागरूक करेगी पुलिस

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से लोगों को बचाने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन का पालन कराने और लोगों को जागरूक करने के लिए दिल्ली पुलिस ने 40 कोविड पेट्रोल बाइक लांच की हैं। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने बुधवार को इन बाइकों को लांच किया। उन्होंने कहा कि दक्षिणी जिले में 40 कोविड पेट्रोल बाइक से पुलिसकर्मी लोगों को कोरोना वायरस से बचाव के लिए जागरूक करेंगे। इसके साथ ही मुनादी कर लोगों को लॉकडाउन का पालन करने और अपने घर में रहने की अपील की जाएगी। इस दौरान जो लोग बिना किसी खास कारण के सड़कों पर घूमते मिलेंगे, उन्हें निकट के शेल्टर होम में पहुंचाया जाएगा। पुलिस पिकेट सड़क व शहरी क्षेत्र में कहीं भी लोगों को एकत्र न होने देना सुनिश्चित करेगी।

खाने के साथ लोगों को राशन भी उपलब्ध करा रही पुलिस

जासं, नई दिल्ली: लॉकडाउन के दौरान दिल्ली पुलिस लोगों को खाना उपलब्ध कराने के साथ ही राशन भी बांट रही है। बुधवार को पुलिस ने एनजीओ के सहयोग से एक लाख 85 हजार से अधिक लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की। वहीं 6123 लोगों को राशन भी उपलब्ध कराया गया। इसके अलावा लोगों को सब्जी, आटा और सैनिटाइजर भी बांटे गए।

दिल्ली पुलिस ने सभी 15 जिलों में 250 स्थानों पर दोपहर और रात के भोजन की व्यवस्था की है। इसके लिए 400 एनजीओ की मदद ली जा रही है। वहीं नए पुलिस मुख्यालय से शुरू की गई हेल्पलाइन के जरिये अब तक आठ हजार से अधिक लोगों की मदद की जा चुकी है। दिल्ली पुलिस के हेल्पलाइन नंबर 23469526 पर अब तक 8303 कॉल मिली हैं। बुधवार को दोपहर दो बजे तक हेल्पलाइन नंबर पर 1053 कॉल आई। कंट्रोल रूम को 160 कॉल दिल्ली के बाहर से मिली। इन सभी कॉल को संबंधित राज्यों की हेल्पलाइन नंबरों पर भेजा गया है।

पहल

लॉकडाउन के चलते लोगों ने घर में ही हवन कर किया अष्टमी पूजन, उपहारों पर खर्च होने वाले रुपये प्रधानमंत्री राहत कोष में करेंगे जमा

कन्या पूजन से किनारा, गरीबों की मदद कर रहे लोग

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

हर साल नवरात्र में अष्टमी और नवमी के दिन लोग श्रद्धापूर्वक कन्या पूजन करते थे, लेकिन इस बार कोरोना संकट के चलते लोग कन्या पूजन करने से बचते नजर आए। इसके स्थान पर वे गरीबों, गोशाला और प्रधानमंत्री राहत कोष में मदद करना ज्यादा उचित समझ रहे हैं। लोगों का कहना है कि वे लॉकडाउन का पूरी तरह से पालन कर रहे हैं। वहीं, मंदिर के पुजारियों का कहना है कि लोग घर में पूजन कर गरीबों को कन्याओं के नाम का भोजन करा सकते हैं।

दिल्ली के रहने वाले लोगों का कहना है कि बच्चियों को संक्रमण का खतरा हो सकता है। इससे बच्चियों को बचाने के लिए ही लोग कन्या पूजन करने से बच रहे हैं। अधिकतर लोग इसके स्थान पर गरीबों को खाने के पैकेट देने का विचार कर रहे हैं। साथ ही लोगों का कहना है कि वे कन्याओं के लिए हर साल दिए जाने वाले उपहारों के बदले प्रधानमंत्री राहत कोष में राशि जमा करेंगे। वहीं, मंदिर के पुजारियों की माने तो लोग मां भगवती की सच्चे मन से घर में पूजा करें और उनसे प्रार्थना करें कि भीषण बीमारी से लोगों की रक्षा करें। ऐसा पहली बार हो रहा है कि जब किसी बीमारी के कारण कन्या पूजन नहीं हो रहा है। लोग इसके स्थान पर जरूरतमंदों की मदद कर सकते हैं।

अष्टमी पर घर में ही हवन और पूजन किया है। साथ ही पहली बार ऐसा हुआ कि कन्या पूजन नहीं किया। इसके स्थान पर प्रधानमंत्री राहत कोष में मदद की है।
शिशुपाल सिंह, मयूर विहार

कोरोना के संक्रमण को देखते हुए इस बार कन्या पूजन नहीं करेंगे। साथ ही कॉलोनी के लोग भी पूजन के स्थान पर गरीबों और गोशाला में जाकर मदद करेंगे। वहीं, कन्याओं के उपहार के खर्च होने वाले रुपये को प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा करेंगे।
मुकेश शर्मा, चांदनी चौक

कोरोना के कारण मंदिर बंद हैं। ऐसे में लोग घर में ही मां अंबिका की पूजा कर कन्या पूजन के बजाय गरीबों और गोशाला में मदद कर सकते हैं। लोग चाहे तो प्रधानमंत्री राहत कोष में कन्याओं पूजन के नाम पर खर्च होने वाले रुपये जमा करा सकते हैं।
सुरेंद्र नाथ अवधूत, पीठाधीश्वर कालकाजी मंदिर

हमारे घर में नवमी की पूजा होती है। कोरोना वायरस के कारण इस बार कन्या पूजन नहीं करेंगे। इसके बदले गरीबों को भोजन कराया जाएगा।
विजय रस्तोगी, दरियागंज

सचिव स्तर के अफसर ने की डॉक्टर से अभद्रता

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार में जुटे डॉक्टरों में सचिव स्तर के एक अफसर के व्यवहार को लेकर नाराजगी है। डॉक्टरों ने पुलिस को अनौपचारिक जानकारी देने के साथ ही अब गृह मंत्रालय और उपराज्यपाल से शिकायत करने की तैयारी कर ली है। डॉक्टरों का कहना है कि दिन-रात की मेहनत के बावजूद दिल्ली सरकार के अफसर ने जिस तरह का व्यवहार किया है, उसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक तब्लीगी मरकज में ठहरे लोगों का इलाज कर रहे चिकित्सकों में दिल्ली सरकार के सचिव स्तर के एक अधिकारी के खिलाफ नाराजगी है। डॉक्टरों का आरोप है कि अफसर ने 27 मार्च को स्वास्थ्य विभाग की उच्चाधिकारी से कहा था कि वह डॉक्टरों को तब्लीगी मरकज भेजकर बीमार लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराएं। दूसरी तरफ मरकज में ठहरे लोग डॉक्टरों की बात मानने को तैयार नहीं थे। यही नहीं, वे हमलावर भी हो रहे थे। ऐसे में डॉक्टरों ने जब पर्याप्त सुरक्षा के बिना अंदर जाने से इन्कार कर दिया तो अफसर भड़क गए।

आरोप है कि उन्होंने डॉक्टरों से अभद्र भाषा का प्रयोग भी किया। इसे लेकर कोरोना के इलाज में जुटे चिकित्सकों में अफसर के प्रति नाराजगी है। उन्होंने पुलिस को औपचारिक सूचना देने के बाद इस मामले की शिकायत गृह मंत्रालय और उपराज्यपाल अनिल बैजल से करने की बात कही है। मामला हाई प्रोफाइल होने की वजह से फिलहाल सभी इस पर चुप्पी साधे हुए हैं।